अर्हम्

भगवान् महावीर का जीवन और दर्शन जाने अनजाने वर्तमान युग का जीवन–दर्शन हो रहा है। लोकतंत्र महावीर के अनेकांत के सह अस्तित्व और समन्वय का जीवन्त प्रयोग है। पर्यावरण की सुरक्षा का प्रयत्न उनकी अहिंसा का व्यावहारिक प्रयोग है। जातिवाद और संप्रदाय के प्रति बदला हुआ दृष्टिकोण उनकी धर्मक्रांति का जीवन्त प्रमाण है। शाकाहार का आंदोलन उनकी अहिंसक जीवन शैली का एक सुन्दर निदर्शन है।

इन और इन जैसे अनेक संदर्भों को ध्यान में रखकर मैंने एक पुस्तक लिखी– '**महावीर का पुनर्जन्म**'। पुनर्जन्म का प्रश्न सैद्धांतिक दृष्टि से बहुत चौंकाने वाला है पर व्यावहारिक दृष्टि से बहुत सार्थक है।

भगवान् महावीर की जन्म जयंती के अवसर पर हम उनके अनेकांत दर्शन को समझने का, उनकी जीवन शैली को अपनाने का प्रयत्न करें, जन्म जयंती का उत्सव हमारे लिए बहुत श्रेयस्कर होगा।

आचार्य श्री महाप्रज्ञ